पत्रकारिता जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ओ.डी.एल./ऑनलाइन)

और

एम.ए. में पत्रकारिता और जनसंचार (ओ.डी.एल./ऑनलाइन)

(पी.जी.जे.एम.सी. / एम.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष)

असाइनमेंट

जनवरी 2026 और जुलाई 2026 सत्र

एमजेएम-020/120

एमजेएम-021

एमजेएम-022

एमजेएम-023

एमजेएम-024/124

एमजेएम-025

पत्रकारिता एवं नवीन मीडिया अध्ययन विद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

पी.जी.जे.एम.सी./एम.ए.जे.एम.सी. (ओ.डी.एल./ऑनलाइन) - असाइनमेंट

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको सभी पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक में एक असाइनमेंट जमा करना होगा। असाइनमेंट बनाने से पहले, कृपया प्रोग्राम गाइड में दिए गए विस्तृत निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

प्रत्येक असाइनमेंट के सामने जमा करने की **अंतिम तिथि** दी गई है। कृपया ध्यान दें कि आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को ये उरोक्त सभी असाइनमेंट जमा करने होंगे।

आपको असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर अपना **नामांकन नंबर, नाम, पता, असाइनमेंट कोड और अध्ययन केंद्र कोड** का उल्लेख करना होगा। आपको जमा किए गए असाइनमेंट के लिए अध्ययन केंद्र से **रसीद प्राप्त** करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। असाइनमेंट की एक फोटोकॉपी प्रमाण के तौर पर अपने पास रखना अनिवार्य होगा।

मूल्यांकन के बाद, असाइनमेंट आपको अध्ययन केंद्र द्वारा वापस करने का प्रावधान हैं। कृपया इस पर जोर दें और अपने पास रिकॉर्ड रखें। आपके द्वारा प्राप्त किए गए अंक केंद्र द्वारा इग्नू, नई दिल्ली में एस.ई.डी. (SED) को भेजे जाएंगे।

असाइनमेंट करने के लिए दिशा-निर्देश

प्रत्येक असाइनमेंट में दिए गए सभी प्रश्नों को निर्देशानुसार हल करें। असाइनमेंट बनाते समय आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा:

योजना: सबसे पहले अध्ययन सामग्री को ध्यान से पढ़ें। कार्यक्रम के लिए आयोजित टेलीकांफ्रेंसिंग सत्र और इंटरैक्टिव रेडियो परामर्श सत्रों में भाग लें। यदि आवश्यक हो तो आप अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र से विवरण भी प्राप्त कर सकते हैं और फिर असाइनमेंट को ध्यान से पढ़ें। जिन इकाइयों पर वे आधारित हैं, उन्हें देखें। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

संगठन: अपने उत्तर की एक रूपरेखा बनाएँ। अपने उत्तर के लिए जानकारी के चयन में विश्लेषणात्मक रहें। परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि असाइनमेंट के:

- तार्किक और सुसंगत हो;
- वाक्यों और पैराग्राफ में जानकारी का उचित प्रवाह हो; और
- आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त विचार करते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

प्रस्तुति: एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाते हैं, तो आप प्रत्येक उत्तर को साफ-सुथरा लिखते हुए, जमा करने के लिए अंतिम संस्करण लिख सकते हैं।
शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. शिखा राय

कार्यक्रम समन्वयक,

पी.जी.जे.एम.सी. एवं एम.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष

shikharai@ignou.ac.in

एमजेएम 025: मीडिया नैतिकता और कानून

असाइनमेंट 06
(अंतिम तिथि: कृपया अंतिम तिथि पर नवीनतम अपडेट के लिए वेबसाइट देखें)

असाइनमेंट कोड: एमजेएम-025
जनवरी 2025 / जुलाई 2025 सत्र

अधिकतम अंक: 100
वेटेज: 30%

नोट: *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं = प्रत्येक 20*
(ii) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. **समाचार मीडिया और नैतिक चिंताएँ**

   विश्लेषण कीजिए कि भारतीय समाचार मीडिया निजता (प्राइवेसी) और जनहित के मुद्दों को किस प्रकार संभालता है। हाल की घटनाओं के उदाहरण देते हुए यह चर्चा कीजिए कि क्या कहीं नैतिक सीमाओं का उल्लंघन हुआ है।

2. **न्यू मीडिया और नैतिक मुद्दे**

   सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर फेक न्यूज़ फैलाने के आरोप लगते हैं। भारत में वायरल हुई किसी एक गलत सूचना (मिसइन्फॉर्मेशन) के उदाहरण का अध्ययन कीजिए और उपयोगकर्ताओं तथा प्लेटफॉर्म प्रदाताओं—दोनों के लिए इसके नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। यह भी बताइए कि ऐसी स्थिति को कैसे रोका जा सकता था।

3. **मीडिया कानून एवं नियामक ढांचा**

   प्रिंट मीडिया के नियमन में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI) की भूमिका की समीक्षा कीजिए। क्या आपको लगता है कि इसकी वर्तमान शक्तियाँ नैतिक आचरण को लागू करने के लिए पर्याप्त हैं? सुधार के लिए सुझाव दीजिए।

4. **सूचना का अधिकार अधिनियम**

   भारतीय शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम की भूमिका पर चर्चा कीजिए। सफल RTI मामलों के उदाहरणों के माध्यम से पत्रकारों के लिए इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

5. **विज्ञापन नैतिकता एवं कानून**

   किसी ऐसे भारतीय विज्ञापन का चयन कीजिए जिसे अनैतिक या भ्रामक होने के कारण प्रतिबंधित किया गया हो या जिसे सार्वजनिक आलोचना का सामना करना पड़ा हो। विश्लेषण कीजिए कि उसे अनैतिक क्यों माना गया और बताइए कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से कैसे बचा जा सकता है।